



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 4 अप्रैल, 2005/14 चैत, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

पंचायती राज विभाग

प्रादेश

शिमला-171 009, 22 मार्च, 2005

संख्या पीसीएच-एच०(5)60/95-6238-44.—यह कि जिला पंचायत अधिकारी, चम्बा द्वारा श्री सरल दास, प्रधान, ग्राम पंचायत उत्तराड़ी, विकास खण्ड मेहुला, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश को सरकारी धनराशि के दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताओं, अपने कर्तव्य निर्वहन में आपत्तिजनक कार्य-कलाप के फलस्वरूप उनके कार्यालय आदेश संख्या पीसीएच-सीबीए-ए(5)/2003-713-20, दिनांक 19-7-2004 द्वारा प्रधान पर से निलम्बित किया गया था;

प्रतः यह कि मामले की वास्तविकता जानने हेतु हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 के अन्तर्गत उपायुक्त, चम्बा, जिला चम्बा द्वारा उनके कार्यालय आदेश संख्या सी०बी०ए०-पीसीएच-1(जांच)/2004-1208-1213, दिनांक 6-10-2004 को तहसीलदार, चम्बा को जांच सौंपी गई;

प्रतः यह कि नया सहस्रीलदार चम्बा द्वारा की गई विस्तृत जांच रिपोर्ट उपायुक्त, चम्बा से उनके कार्यालय पत्र संख्या 1449, दिनांक 25-11-2004 के अन्तर्गत निदेशानुसार प्राप्त हुई तथा जांच अधिकारी से प्राप्त जांच रिपोर्ट तथा तथ्यों का बारीकी से अध्ययन करने के उपरान्त निम्न तथ्य समक्ष आये :

क्र० सं०	निर्माण कार्य का नाम	आवंटित राशि	मूल्यांकित राशि	शेष बचत/दुरुपयोग की गई राशि	विकासात्मक कार्य की स्थिति
1	2	3	4	5	6
1.	एक कमरा प्राथमिक पाठशाला छतराड़ी।	16,000/- रुपये	—	16,000/- रुपये	कार्य शुरू नहीं पाया गया।
2.	पक्की गली बरनेली।	20,000/- रुपये	10,465/- रुपये	9,535/- रुपये	कार्य अपूर्ण पाया गया है।
3.	तीन कमरे प्राथमिक पाठशाला दुन्देई।	2,32,000/- रुपये	1,38,435/- रुपये	93,565/- रुपये	बरामदे की छत उड़ गई है। फर्श, सोलिंग, प्लास्टर, दरवाजे व खिड़कियाँ इत्यादि का कार्य नहीं किया गया।
4.	शौचालय व माँ पाठ छतराड़ी।	16,000/- रुपये	—	16,000/- रुपये	भौका पर एक गड्ढा ब पत्थर पाये गये परन्तु कार्य शुरू नहीं किया गया।
योग	..	2,84,000/-	1,48,900/-	1,35,100/-	

प्रतः यह कि, जांच रिपोर्ट पर विचार करने के उपरान्त श्री सरन दास, प्रधान (नि०), ग्राम पंचायत छतराड़ी द्वारा वर्ती गई वित्तीय अनियमितताओं तथा मु० 1,35,100/- रुपये की राशि के दुरुपयोग किए जाने के फलस्वरूप इस कार्यालय के समसंख्यक आदेश दिनांक 24-12-2004 के अन्तर्गत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया कि क्यों न उन्हें प्रधान पद से निष्कासित किया जाए तथा 15 दिनों के भीतर अपनी विधि स्पष्ट करने का अवसर प्रदान किया गया ;

प्रतः यह कि, श्री सरन दास, प्रधान (नि०), ग्राम पंचायत छतराड़ी से उक्त नोटिस बारे कोई भी स्पष्टीकरण/बतौर प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे स्पष्ट है कि उन द्वारा अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया गया है तथा विकास कार्य हेतु स्वीकृत राशि में से मु० 1,35,100/- रुपये की सरकारी राशि धनराशि का दुरुपयोग करने के दोषी पाए गए हैं। उपरोक्त कारण बताओ नोटिस का उत्तर निर्धारित समय के भीतर प्राप्त न होने के कारण मामले में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाती है। प्रतः उक्त वर्णित तथ्यों के फलस्वरूप श्री सरन दास, प्रधान, ग्राम पंचायत छतराड़ी को हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146(1) के अन्तर्गत प्रधान पद से हटाया जाना आवश्यक है।

प्रतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के अधीन जो कि उन्हें हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146(1) के अन्तर्गत प्रदत्त है का प्रयोग करते हुए श्री सरन दास, प्रधान,

(नि०), ग्राम पंचायत छतराड़ी, विकास खण्ड मेहना, जिला चम्पा को उक्त कृत्य के लिए प्रधान पद से तुरन्त निष्कासित किया जाता है तथा छः वर्ष की कालावधि के लिए उक्त अधिनियम की धारा 146(2) के अन्तर्गत पंचायत पदाधिकारी के रूप में निर्वाचन के लिए निरहित किया जाता है।

कारण बताओ नोटिस

शिमला-9, 22 मार्च, 2005

संख्या पी० सी० एच०-एच० ए० (5) 22/96-6258-64.—यह कि जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला द्वारा श्रीमती सुरक्षा देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत हडल, विकास खण्ड नूरपुर, जिला कांगड़ा, हि० प्र० को सरकारी धनराशि के दुरुपयोग में संलिप्त होने के आरोप में उनके कार्यालय आदेश संख्या-पंच के० जी० आर० ई० (4) 52/91-330-35 दिनांक 21-1-2004 द्वारा प्रधान, ग्राम पंचायत हडल, के पद से निलम्बित किया गया था;

यह कि मामले की वास्तविकता जानने हेतु, हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 के अन्तर्गत तहसीलदार नूरपुर, जिला कांगड़ा, को उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला द्वारा कार्यालय आदेश संख्या पंच के० जी० आर०-ई० (15) 8/91-4411-15, दिनांक 02-9-2004 को जांच सौंपी गई थी,

यह कि जांच अधिकारी द्वारा की गई विस्तृत जांच रिपोर्ट निदेशालय में प्राप्त हुई तथा प्राप्त जांच रिपोर्ट में दर्शाये गये तथ्यों का अध्ययन करने उपरान्त जो आरोप उनके विरुद्ध सिद्ध पाये गये उनकी सूची इस कारण बताओ नोटिस की परिशिष्ट 'क' पर संलग्न की जाती है।

उन द्वारा बरती गई विभिन्न वित्तीय अनियमितताओं तथा अपने कर्तव्य निर्वहन में आपत्तिजनक कार्यकलाप के फलस्वरूप उनके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 (1) के अन्तर्गत निष्कासित करना उचित है;

अतः आगामी कार्रवाई करने से पूर्व उन्हें निदेश दिए जाते हैं कि वह उक्त कारण बताओ नोटिस का उत्तर नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर दें। उनका उत्तर निर्धारित अवधि में प्राप्त न होने पर यह समझा जाएगा कि वह अपने पक्ष में कुछ भी कहना नहीं चाहते तथा हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 (1) के अन्तर्गत एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। तहसीलदार, नूरपुर द्वारा की गई जांच रिपोर्ट की प्रति संलग्न है।

परिशिष्ट 'क'

क्र०सं०	निर्माण कार्य का नाम अथवा प्रयोजन	प्रधान द्वारा व्यय की गई राशि/अग्रिम प्राप्त राशि	कार्य की प्रगति अथवा स्थिति
1	2	3	4
1.	निर्माण रास्ता स्कूल से मान सिंह (मैरा)	8,001/-	स्वीकृत स्कीम में परिवर्तन कर स्वेच्छा से निर्माण कार्य मान सिंह के घर से किया गया।

1	2	3	4
2.	—	12,160/-	बिना प्रयोजन 80 बैग सीमेंट मूठा व्यय दिखा कर मु0 12,160/- र0 की धनराशि का छलहरण किया।
3.	मुरम्मत रास्ते	10,000/-	बजट प्रावधान के विपरीत स्वेच्छा से नये रास्ता कपाड़ी पर व्यय किया।
4.	सामुदायिक भवन हडल के लिये स्लैब डालने हेतु		स्लैब डालने के लिये अपेक्षित निविदायें आमन्त्रित न कर कार्य करवाया गया।
5.	अग्रिम राशि	1,00,000/-	दिनांक 24-1-2003 को मु0 1,00,000/- र0 अग्रिम राशि प्राप्त कर दिनांक 7-4-2003 तक समा-योजन नहीं करके वापिस करना अस्थाई दुरुपयोग किया गया। मु0 2,400/- र0 ब्याज प्रधान से वसूली योग्य है।
6.	धन राशियों को अनाधिकृत रूप से अपने पास रखना		प्रधान द्वारा मु0 4,280.74 दिनांक 1-5-2002 से 20-6-2002 तक मुल 2005/- र0 दिनांक 22-6-2002 से 2-8-2002 तक मु0 2980/- रुपये दिनांक 3-5-2002 से 6-8-2002 तक तथा मु0 1385/- र0 7-6-2002 तक अनाधिकृत रूप से अपने पास रख-कर नियमों का उल्लंघन किया।
7.	मानदेय तकनीकी सहायक	4000/-	3/2002 से 12/2002 तक मु0 4000/- रुपये मानदेय के रूप में तकनीकी सहायक को सभा निधि से अदायगी की गई। सभा निधि से तकनीकी सहायक को मानदेय की अदायगी का कोई प्रावधान नहीं है।

शिमला-171 009, 22 मार्च, 2005

संख्या पी0 सी0 एच0-एच0 ए0 (5)। यह कि जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला द्वारा श्री जरम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कमनाला, विकास खण्ड नूरपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश को सरकारी धन-राशि के दुरुपयोग में सलिप्त होने के आरोप में उनके कार्यालय आदेश संख्या-पंच-के0 जी0 आर0-ई0-1445-50, दिनांक 24-3-2004 द्वारा प्रधान, ग्राम पंचायत, कमनाला, के पद से निलम्बित किया गया था ;

यह कि मामले की वास्तविकता जानने हेतु हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 के अन्तर्गत खण्ड विकास अधिकारी रैत, जिला कांगड़ा, को उपायुक्त कांगड़ा स्थित धर्मशाला, द्वारा कार्यालय आदेश संख्या पंच-के0 जी0 आर0-ई0-15) 8/91-4747, दिनांक 13-9-2004 को जांच सौंपी गई थी ;

यह कि जांच अधिकारी द्वारा की गई विस्तृत जांच रिपोर्ट निदेशालय में प्राप्त हुई तथा प्राप्त जांच रिपोर्ट में दर्शाये गये तथ्यों का बारीकी से अध्ययन करने उपरान्त जो आरोप उनके विरुद्ध सिद्ध पाये गये उनकी सूची इस कारण बताओ नोटिस के परिशिष्ट 'क' पर संलग्न की जाती है ;

उन द्वारा बरती गई विभिन्न वित्तीय अनियमितताओं तथा अपने कर्तव्य निर्वहन में आपत्तिजनक कार्यकलाप के फलस्वरूप उन्हें हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 (1) के अन्तर्गत निष्कासित करना उचित है ।

अतः आगामी कार्रवाई करने से पूर्व उन्हें निर्देश दिए जाते हैं कि वह उक्त कारण बताओ नोटिस का उत्तर उक्त नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर दें । उनका उत्तर निर्धारित अवधि में प्राप्त न होने पर यह समझा जाएगा कि वह अपने पक्ष में कुछ भी कहना नहीं चाहते तथा हिमाचल प्रदेश, पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 (1) के अन्तर्गत एक तरफा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी । जण्ड विकास अधिकारी रत द्वारा की गई जांच रिपोर्ट की प्रति संलग्न है ।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
सचिव।

परिशिष्ट 'क'

क्रम सं०	निर्माण कार्य का नाम अथवा प्रयोजन	मद	स्वीकृत राशि	प्रधान द्वारा प्राप्त राशि	खर्च दर्शाई गई या प्रधान की अधिम दी गई राशि	मूल्यांकन	दुरनियोजन की गई राशि	कार्य की प्रगति अथवा स्थिति
1	2	3	4	5	6	7	8	9
			₹0	₹0	₹0	₹0	₹0	
1.	निर्माण डंगा नला ठाना राकेश भारती	ई०ए०एस० स्कीम नं० 7788	6000/-	4000/-	5,965/-		5,965/-	स्वीकृत योजना अनुसार मौका पर कार्य नहीं हुआ है ।
2.	निर्माण प्रोटेक्शन पुली रास्ता ठाना भारती	ई०ए०एस० स्कीम नं० 4331	15000/-	10,000/-	₹0-14,869/-	—	14,869/-	—यथा—
3.	निर्माण रास्ता शिव मन्दिर से बलवंत सिंह के घर तक	ई०ए०एस० (जैड पी)	15,000/-	14,990/-	14,990/-	14,018/-	972/-	—यथा—

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			₹0	₹0	₹0	₹0	₹6	
4.	निर्माण रास्ता मुस्तमाना जसूर	11वां वित्त- योग	10,000/-	9,983/-	9,983/-	5,466/-	4,517/-	कार्य पूर्ण पाया गया।
5.	निर्माण रास्ता मन्जरीहाल।	वे० जी० एस० बार्ड०	11,000/-	11,599/-	11,599/-	9,511/-	2,088/-	कार्य पूर्ण पाया गया।
6.	निर्माण रास्ता कमलाना नोहरा	एस० जी० आर० बार्ड०	50,000/-	47,347/-	47,347/-	38,350/-	8,997/-	कार्य पूर्ण पाया गया
7.	निर्माण रास्ता शिव मन्दिर से पीपलू	एस० जी० आर० बार्ड० (एस०-1)	₹0 25,000/-	24,948/-	24,948/-	22,949/-	1,999/-	स्वीकृत योजना अनुसार मोका पर कार्य नहीं हुमरा।
कुल			1,33,000/-	1,22,867/-	1,29,701/-	90,294/-	39,407/-	

इसके अतिरिक्त शिव मन्दिर निर्माण कार्य पर श्री जरम सिंह द्वारा खाद्यान्न बावल 5 बिटल 82 किलोग्राम दर 7/- ₹0 किलो कुल राशि 4,074/- ₹0 व गेहूं 15 बिटल 71 किलोग्राम दर 5.15 ₹0 प्रति किलोग्राम राशि ₹0 8090.65 ₹0 इस प्रकार मूल राशि 4,074.00 + 8090.65 = 12,164.65 ₹0 तथा कुल 39,407 + 12,164.65 ₹0 = 51,571.65 का दुरुपयोग किया है।

कार्यालय आदेश

जिमला-171009, 28 मार्च, 2005

संख्या पी० जी० एच०-एच(5)64/2000-6608-14.--यह कि ग्राम पंचायत, भलाण-1, विकास खण्ड कुल्हू, जिला कुल्हू (हि० प्र०) को प्रवर्ध 4/2001 से 3/2002 तक विकास खण्ड अधिकारी, कुल्हू द्वारा करवाई गई प्रकेक्षण आपत्तियों में सम्बन्धित श्री धर्मपाल, प्रधान, ग्राम पंचायत, भलाण-1 के विरुद्ध गम्भीर अनियमितताओं व सरकारी धनराशि के छलहरण के मामले उद्घाटन किये गये हैं;

यह कि उक्त अनियमितताओं में मंजिल पाये जाने के कारण उपायुक्त, कुल्हू द्वारा उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 के अन्तर्गत 28-11-2003 को निवन्मना कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

यह कि उन द्वारा दिये गये उक्त नोटिस के उत्तर को प्राधिकृत अधिकारी द्वारा असंतोषजनक पाये जाने के फलस्वरूप उन्हें दिनांक 30-1-2004 को प्रधान, ग्राम पंचायत, भलाण-1 के पक्ष से निवन्मनित किया गया।

यह कि उपायुक्त, कुल्लू द्वारा आरोपों की वास्तविकता जानने हेतु हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 के अन्तर्गत आदेश संख्या पीसीएच(कु0)-760/87 दिनांक 24-4-2004 के अन्तर्गत परियोजना अधिकारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, कुल्लू, जिला कुल्लू को नियमित जांच सौंपी गई।

यह कि जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट का अवलोकन करने उपरान्त निम्न तथ्य सरकार के समक्ष आये :—

आरोप संख्या-1.—मास 7/2002 से मू0 40,240/- रु0 बाबत निर्माण राजकीय प्राथमिक पाठशाला, डलान की नकद शेष धनराशि को अनाधिकृत रूप से अपने पास रखना व कार्य न करना जो कि उनसे 12.5 प्रतिशत ब्याज सहित वसूली योग्य पाई गई।

आरोप संख्या-2.—दिनांक 30-3-2001 को मू0 25,000/- रु0 की राशि (राजकीय प्राथमिक पाठशाला खोडा-आगे मू0 18,600/- रु0 व राजकीय प्राथमिक पाठशाला, डलान मू0 6,400/- रु0) के निर्माण कार्यों के लिए बैंक संख्या 843163 द्वारा हिमाचल ग्रामीण बैंक, गडसा की शाखा से निकाल कर दिनांक 1-6-2004 तक अनाधिकृत रूप से अपने पास रख कर कार्य न कर दुरुपयोग/छलहरण किया गया जो कि 12.5 प्रतिशत ब्याज सहित वसूली योग्य पाई गई।

आरोप संख्या-3.—निर्माण रास्ता गांव बड़ा शरण के लिए दिनांक 5-6-2003 को रसीद संख्या 42573 अनुसार प्राप्त कर बैंक खाता संख्या एसबी 90113 में जमा कर मू0 15000/- रु0 की किस्त 5-6-2003 को प्राप्त कर कार्य शुरू करने वाले दिनांक 10-12-2003 को प्रस्ताव 6 पारित कर दोबारा मू0 15,000/- रु0 दिनांक 7-1-2004 को राशि निकाल कुल मू0 30,000/- रु0 की धनराशि अनाधिकृत रूप से अपने पास रखना व कार्य न कर राशि का दुरुपयोग करना पाई गई।

आरोप संख्या-4.—इस मामले में अलग से कार्रवाई की जा रही है।

आरोप संख्या-5.—निर्माण प्राथमिक पाठशाला भवन, गडसा हेतु अंकेक्षण अनुसार अवधि 4/2001 से 3/2002 के पैरा संख्या 5(ख) (1,5,12) अनुसार पंचायत को मू0 12,248.50 रुपये का अनाज अनुदान के रूप में प्राप्त कर जिसका इन्द्राज रोकड़ बही पर भाग की ओर न करके व्यय की ओर कर नकद शेष से घटाकर मू0 12,248.50 रु0 की धनराशि अनाधिकृत रूप से अपने पास रखकर छलहरण किया।

आरोप संख्या-6.—प्राथमिक पाठशाला गडसा, खोडा आगे, गडसा (बान्दल) व बान्दल के निर्माण कार्यों पर अंकेक्षण पत्र अवधि 4/2001 से 3/2002 के पैरा संख्या 5(ख) (4,8,9,11) अनुसार कार्यों में प्रयोग किये गये मस्ट्रोलों पर एक ही व्यक्ति की हाजिरी एक ही समय में दो मस्ट्रोलों पर लगा कर मू0 65/- रु0 807/- रु0 3900/- रु0 व 260/- रु0 कुल मू0 5,032/- रु0 का छलहरण किया।

यह कि उपरोक्त जांच रिपोर्ट का बारीकी से अध्ययन करने उपरान्त श्री धर्मपाल, प्रधान भाष पंचायत, बलाण-1 द्वारा सरकारी धनराशि का दुरुपयोग, छलहरण व अनियमितताओं में संलिप्त होना सिद्ध पाया गया। जिसके फलस्वरूप उन्हें सरकार द्वारा दिनांक 1-10-2004 को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146 के अन्तर्गत प्रधान पद से निष्कासित करने से पूर्व निष्कासनार्थ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

यह कि श्री धर्मपाल, प्रधान ग्राम पंचायत भलाण-1 द्वारा प्रस्तुत उक्त कारण बताओ नोटिस के उत्तर से सरकार सन्तुष्ट नहीं हुई, क्योंकि उत्तर तथ्यों पर आधारित नहीं है। अतः श्री धर्मपाल को प्रधान ग्राम पंचायत भलाण-1, विकास खण्ड कुल्लू के पद से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया है।

अतः उपरोक्त वर्णित तथ्यों के मध्य नजर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल उन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो कि उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 146(1) के अन्तर्गत प्रदत्त है श्री धर्मपाल, प्रधान, ग्राम पंचायत भलाण-1 को प्रधान पद से निष्कासित किया जाता है तथा उन्हें छः वर्ष की कालावधि के लिए उक्त अधिनियम की धारा 146(2) के अन्तर्गत पंचायत के पदाधिकारी के रूप में निर्वाचित होने के लिए निरहित किया जाता है।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-
सचिव।